# राजकीय महाविद्यालय पनारसा
(जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश)

# हिंदी माह समापन
## — की रिपोर्ट —

**संविधान की प्रस्तावना पर संगीत विभाग को दिए गए शब्द 'गणराज्य' पर विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित पहाड़ी गीत लेखन एवं प्रस्तुति**




# हिंदी माह समापन
## — संगीत विभाग —

## संविधान की प्रस्तावना पर संगीत विभाग को दिए गए शब्द 'गणराज्य' पर विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित पहाड़ी गीत लेखन एवं प्रस्तुति

राजकीय महाविद्यालय पनारसा में दिनांक 26 सितम्बर 2026 को हिंदी विभाग एवं संगीत विभाग के संयुक्त सौजन्य से संविधान की प्रस्तावना पर आधारित एक सांगीतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगीत विभाग को संविधान की प्रस्तावना से संबंधित शब्द 'गणराज्य' दिया गया, जिस पर संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक स्वरचित पहाड़ी गीत 'करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर' की रचना की गई।
इस गीत के माध्यम से हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी जनजीवन, लोकसंस्कृति, आपसी भाईचारे, सामाजिक सदभावना,एकजुटता,समता और समानता तथा देश के प्रति प्यार एवं एकता की भावना एवं देव परंपराओं का सुंदर चित्रण किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी मधुर स्वर-लहरियों एवं पहाड़ी लोकधुन के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा सांगीतिक कार्यक्रम को सफल एवं मनमोहक बनाया।
इस सांगीतिक प्रस्तुति में संगीत विभाग के विद्यार्थियों दलीप चंद, यशवंत, राखि, वंदना, लक्ष्मी, नगिना, अंकिता, डिम्पल कुमार एवं गिरिराज ने भाग लिया। वाद्य संगत में तबले पर अर्शीत, ढोलक पर हीरा, क्लैपबॉक्स पर मोहित तथा गिटार पर मोहित कुमार ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का निर्देशन गायन संगीत विभाग की आचार्या
डॉ. पूजा शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत कोटाधार के प्रधान श्री ललित ठाकुर जी उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. उरसेम लता, डॉ. कविता कटोच (आचार्या वादन, संगीत विभाग), हिंदी विभाग की सहायक आचार्या प्रो. अनिता, पुस्तकालय अध्यक्षा बिंदु सूर्यवंशी,प्रो० सुरेश कुमार समाजशास्त्र, डॉ० लीना वैद्य प्रो० कृष्ण लाल चौहान, इतिहास विभाग, प्रो० हीरा सिंह ,अर्थशात्र प्रो ०रतन नेगी, प्रो०मनीष, प्रो० विजय, श्रीमती किरता देवी, चित्रकला,महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं गैर-शिक्षक कर्मचारी इस सांगीतिक प्रस्तुति के साक्षी बने।

---




**गीत के बोल**

**गीत शीर्षक : करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर**

**स्थायी :**

करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर।।
तगड़ेया माहणू एखै बांकिया नारा,
तगड़ेया माहणू एखै बांकिया नारा।
साग रोटी खाईके करदे गुज़ारा,
साग रोटी खाईके करदे गुज़ारा,

करदे गुज़ारा।
देउआ ते माँगदे सभी री खैर,
देउआ ते माँगदे सभी री खैर।
करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर।।

**अंतरा – 1**

टेढ़ी-मेढ़ी सड़का ऊंची-ऊंची धारा,
टेढ़ी-मेढ़ी सड़का ऊंची-ऊंची धारा।
दुख-सुख काटी लेणा ज़िंदड़ी रा सारा,
दुख-सुख काटी लेणा ज़िंदड़ी रा सारा,
ज़िंदड़ी रा सारा।
मन बिच रखदे ना कोई भी बैर,
मन बिच रखदे ना कोई भी बैर।
करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर।।

**अंतरा – 2**

पेड़ा री छाऊँ औखै ठंडड़ा पाणी,
पेड़ा री छाऊँ औखै ठंडड़ा पाणी।
ज़िऊ केरा सारी ज़िंद औखै बिताणी,
ज़िऊ केरा सारी ज़िंद औखै बिताणी,
औखै बिताणी।
गला न मिलदै छुई लेंदै पैर,
गला न मिलदै छुई लेंदै पैर।
करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर।।

**अंतरा – 3**

देश बोला शोभला हिमाचल प्यारा,
देश बोला शोभला हिमाचल प्यारा।
सारी बोला दुनिया न हेरणा न्यारा,
सारी बोला दुनिया न हेरणा न्यारा,
हेरणा न्यारा।
देऊ-देवी देंदै औखै चौबि घंटै पैहर,
देऊ-देवी देंदै औखै चौबि घंटै पैहर।
करी लेणी करी लेणी पहाड़ा री सैर।।

इस प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने संविधान की भावना को हिमाचल की लोकसंस्कृति, सामाजिक एकता और पहाड़ी

जीवन-दर्शन के साथ जोड़ते हुए अपनी सांगीतिक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।




नुक्कड नाटक गणराज्य पर
हिन्दी और संगीत विभाग k सौजन्य से




प्रस्तुतकर्ता: गायन, संगीत विभाग

डॉ० पूजा शर्मा

आचार्या ,

राजकीय महाविद्यालय पनारसा

ज़िला मंडी( हि० प्र०)।

प्रस्तुत: डॉ० उरसेम लता

प्राचार्या, Principal Govt. Degree College Distt Mandi(H P)

राजकीय महाविद्यालय पनारसा

ज़िला मंडी( हि० प्र०)।